

2715

१३ नमो श्रीवर्गसत्त्वाय नमः ॥ गुर्वृत्तानमः ॥ ॥ धनसग्वन्य
वसत्त्वा नमः सावना ॥ धूप ॥ रगवने श्रीवैशेषोवा नाऊनमाकु
मत्तादि ॥ कवसगलंखकय ॥ सावना ॥ उंवकांमृगादकथेथेइ

१३ नमो श्रीवर्गसत्त्वाय ॥ गुर्वृत्तानमः ॥ धनसग्वन्यकलसम
त्त्वा नमः सावना ॥ धूप ॥ रगवने श्रीसर्वविश्या नाऊनमाकुमत्ता
दि ॥ कवसगलंखकय ॥ सावना ॥ उंवकांमृगादकथेथेइ ॥ उंकफ
२महाकय स्वाहा महु किशिकननूयंवितावा ॥ कदनूस्वस्वविकु
पविनामून स्वस्वदवगाचक्रविविच्य स्वइहीकमयूषांकमयि
शनवक्रंइक्षुसमयसत्त्वपुवममहावागलदवाहयवाविवि

रुद्रासुतकं चिकथक ॥ चिंक्रसमयदवता स्तनदवगथावकिरु
 कं चिकथक ॥ आकथन ॥ धृपनित्ता ऊन ॥ ३ आखद्युनाहवर्जसत्त्व
 स्पसर्वपायेविप्रमाननरुत्तिंकुनुइरुट ॥ शुवायका ॥ ३ आखद्यु
 नाहवर्जसत्त्वस्पसर्वकले ॥ गिनानिंकुनुइरुट ॥ स्वानरंखा ॥ ३
 आखद्युनाहवर्जसत्त्वस्पसर्वविबानपनयइरुट ॥ कथमया
 ३ आखद्युनाहवर्जसत्त्वस्पसर्वपृथ्वलनसंतालानरक्षाकथइ

प.केशा

रुट ॥ किम्बद ॥ ३ अकावाप्रखयादि ॥ वलिवय ॥ ३ लव२सम्
 न२रुद्रियवलिविभधयइरुट ॥ स्वाहा ॥ पायादि ॥ यथान्याग
 यचायहालयजावत्ता ॥ यथं वादलुगिकथ्यता ॥ जापा ॥ वलिधूय
 दिया ॥ ३ निकलभा ॥ चैलविधि ॥ ॥ यनअग्निवस्तुसक्ता
 नअविद्यनयाय ॥ ३ वर्जसत्त्वा ॥ ३ ॥ यनकुसथायना ॥
 रुका ॥ ३ ममहाक ॥ ॥ दिव्या ॥ प्रविगावुंअदवगावूधधर्मसंघनः

२

नाः पृथिवि विष्णो ना कटला गुणाः सर्वविघ्नान्निन ऊं कूर्चमुस्वस्ति
 स्वाहा ॥ धनं हा मसि मन ॥ स्वस्ति वाक्पुत्र अग्निस्तु यतायाय च चन
 नुधर्मं जलनदी पदीया विखा विख महाप्रयह्य कय वाहनाय
 दानयन अमृकस्य अमृकनिमित्तार्थं अग्निथापनं कूल जानरुहं
 ॥ ॥ हा मसावना ॥ मृग कविता अग्निमध्वयं कान्तं जं पम
 मान गदूपनि वं जाशं इग्निमधुलं नुका वा रुवा पी नवधूमक

मखं च उरु जं वामदयुकमधु नुधनं सर्ववदार्क मा नाधनं
 पिताम्बला गवन यज्ञाय विक्तिनं किनं जं टामकूटध्वनि संव
 र्जसत्वा आलक कर्मो विनं ममयाग्निं विरावा ॥ ॥ अहिमहाः
 रुगादवधिद्विजं शाकमगृहीत्वा इति महानस्मि सन्निहिता
 गवस्वाहा ॥ ॥ अः ॥ गच्छि ॥ ॥ ३ गच्छि नाजहा ॥ वडा कृष्णदिति

॥ निबोकेन ॥ अग्नेदीपदिवा विषा विषमहा प्रयहवक
 वावाहनाय दध्म ॥ ६ ॥ वेहो ॥ समयत्त्ववक गज ॥ ८ ॥ समयाः
 निविशाव ॥ ६ ॥ स्वरमुवाहपां कृमसंप्रति च स्वाहा ॥ मंत्रवर्त
 नहाय ॥ ६ ॥ अग्नेय प्रवन्सत्का नाय पाथंप्रति च स्वाहा ॥ ६ ॥
 अग्नेयदीपदिवा विषा विषमहा प्रय प्रवन्सत्का नाय अ

र्धं अत्रमसंप्रति च स्वाहा ॥ स्नानयंत्रप्रहाल पूजा ॥ धादमर्त
 म्मा ॥ धर्मवादन ॥ रुमि ॥ धर्मकाचक ॥ मरु ॥ ६ ॥ वर्कसत्त्व
 आ ॥ ६ ॥ सर्वपापदहनवजाय स्वाहा ॥ धर्मसका स्वचक ॥
 स्वत्वमरुतहय अश्विस्तनयाय ॥ जायथाक ॥ ममा अग्निम्
 खर्वकाचक ॥ कुवर्कियवरुलपमानविशाव ॥ ६ ॥ अग्नेरु
 नि अत्रमनप्रति च स्वाहा ॥ ६ ॥ अग्नेय स्वाहा ॥ ६ ॥ धर्माय

विकसयास्यांसमिधयविपाकशूद्रयाग॥ ॐ अकयित्वा
 हा॥ **अकयित्वा** ॥ ॐ सामायस्वाहा॥ **पनाम** ॥ ॐ वज्रांगनायस्वा
 हा॥ **खदिनमि** ॥ ॐ वर्कवृक्षायस्वाहा॥ **अणामार्ग** ॥ ॐ वर्ककव
 लायस्वाहा॥ **वनमि** ॥ ॐ वज्रयज्ञायस्वाहा॥ **इन्द्रमि** ॥ वर्क
 मनिच नायस्वाहा॥ **निकर** ॥ ॐ वाधिवृक्षायस्वाहा॥ **उगममि** ॥ ॐ वज्रवनायस्वाहा॥ **पिदार** ॥ ॐ वज्रवृक्षविष्णु

यस्वाहा॥ **पुंकरु** ॥ ॐ मधूनस्वाहा॥ **मधूनमि** ॥ ॐ असाकानायस्वा
 ज्ञायमि॥ ॐ सर्वपापप्रममनायस्वाहा॥ **वकीकमि** ॥ ॐ वर्कमहेश्व
 कानायस्वाहा॥ **अम्वलमि** ॥ ॐ सर्वकृमप्रममनायस्वाहा॥ **कद्वलि**
मि ॥ ॐ अयतिहनवजायस्वाहा॥ **कम** ॥ ॐ वज्रायस्वाहा॥
इवाकृषु ॥ ॐ सर्वपापदहनवजायस्वर्वपापदहस्वाहा॥ **हाम** ॥ ॐ वर्कय
 धास्वाहा॥ **अऊक** ॥ ॐ वर्कवृक्षायस्वाहा॥ **कशु** ॥ ॐ वज्रयज्ञनायस्वाहा

५

ॐ वरु विष्णवे स्वाहा ॥ स्वानवा ॐ वरु महावनाय स्वाहा ॥ साम ॥
 स्वाहा ॥ विहिद्वं ॐ वरु वाङ्माय स्वाहा ॥ गता ॐ सर्वार्थसिद्धीय स्वा
 हा ॥ प्रका ॐ सर्वसंयुक्ति स्वाहा ॥ हाता ध्वजा ॐ आ ॐ वरु दर्शन
 रु वाय स्वाहा ॥ कनस आदियं ॥ अन्यवादि कलन हा कव्य ॥
 पञ्चपहान यज्ञा ॥ लोभमयं वादन मुक्ति मय्यन स वापाकमर्ग
 खलं खदुदगम्य मा वाक उक्ते यो ॥ अन्नि कं पुत्रम ॥ ॥ धनस्वस्ति

वृ च
 वाक् नमः ॥ इति वाय ॥ चंख वादन ॥ मुक्ति ॥ यन गुवि भुष्टं सर्व
 सिद्धि महा कनं वे धन नम हं वन्द सर्व सिद्धि युदाय कः ॥ मरु गण
 न ॥ धन अन्नि मं खलं खन ॥ कल खन हाय ॥ ॐ खं लु ना ह्यो क
 मनं क्त्वा वरु नाच मनादिकं क्त्वा ॥ लाका रु वरु नाग्निं विराय ॥
 काला कानां अग्ने यद्यग्ने हृदिक मल वल्लभ नय निमलु बाधिय
 किमाला क्त्वा स्वस्ति विरु निर्यं न चिद्र विरु य विना मन मलु बाधिय कि

६

समास्तुलं विगावा ॥ आकर्षन ॥ शनमस्त्वं वकीलमिमह हेकीशस्य
 ॥ ॥ यनं लिदवयूजाः धूपनिलाजन ॥ यं लाघं मुदिनार्थं नः ॥
 कनादवगासखं शुक्रहं कावननकव रुलयमानं शुक्रवर्धवर्जविगाव
 ॥ आरुतिविद्य ॥ मलमरुतममिधइय ॥ विहिदकाइय खलिवाक्
 नदवगाइकि ॥ यनमालसापनाय ॥ ॐ ह्यादिमकल्ययाय ॥ ॥
 यनमालसापचक्षुनाहायका ॥ ॥ पिथदियूजा सिध्याधिवास

७

नमस्तुलधिलक स्वाकने यूर्ध्वयाय ॥ ॐ यूर्ध्व इकि आश्चम
 नंप्रकिष्टु स्वाहा ॥ ॐ गगलागगला विवाकि स्य हूं २ रुद्रका नाऊस्य
 प्रमकस्य युक्तिं कबु स्वाहा ॥ नालियाव ॥ ॐ समाधिरुव स्वाहा ॥ ममति
 ॐ धर्मधर्म नाऊदह २ सर्वविघ्नान्नि कूल स्वाहा ॥ वलुगुवि ॥ ॐ व
 रुधुय स्वाहा ॥ धून ॥ ॐ वर्जवाप्त्य स्वाहा ॥ ऊऊमका ॥ ॐ वर्जदिय्याडी ॥
 स्वाहा ॥ मरु ॥ ॐ वशाववाकि रुडी स्वाहा ॥ खइ ॐ मा ॥ ॐ वर्जयूसकाय

Handwritten text in Devanagari script, mostly faded and illegible. Some characters are visible, such as 'म', 'न', 'त', 'स', 'क', 'र', 'ण', 'म्'.

A horizontal strip of lighter, possibly blank or very faded, paper or parchment, likely a repair or a separator page.

मन्त्रः ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ

2715

संस्कृत

॥ श्री ॥

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

ASHA RICHIES

स्वाहा॥ मवि॥ उव॥ ॐ स्वस्ति॥ स्वाहा॥ ॐ स्वस्ति॥ नवल॥ नलनिययूषि॥
 नु स्वाहा॥ पल॥ कु॥ न॥ कु॥ कि॥ य॥ ॐ सर्व॥ वा॥ गय॥ भ॥ म॥ ना॥ य॥ स्वाहा॥ उ॥ व॥
 वि॥ ॐ व॥ ज॥ म॥ ला॥ य॥ स्वाहा॥ ॐ न॥ ॐ व॥ ज॥ म॥ ला॥ य॥ स्वाहा॥ म॥ वि॥ ना॥ द॥ व॥
 ॐ व॥ ज॥ क॥ लि॥ ल॥ रु॥ ना॥ य॥ स्वाहा॥ क॥ वा॥ ॐ व॥ ज॥ मा॥ म॥ व॥ न॥ रु॥ ना॥ य॥ स्वाहा॥
 ॥ ग॥ व॥ न॥ य॥ वा॥ न॥ ॥ थ॥ न॥ स॥ लि॥ वा॥ क॥ न॥ य॥ धी॥ इ॥ ति॥ या॥ य॥ ॥ अ॥ र॥ य॥ य॥ वि॥
 वा॥ वि॥ ध॥ म॥ हा॥ अ॥ य॥ ह॥ य॥ क॥ वा॥ वा॥ ह॥ ना॥ य॥ द॥ न॥ य॥ मि॥ अ॥ म॥ क॥ सा॥ ॐ ॥ अ॥

वा॥ ध॥ ना॥ र्थ॥ य॥ धी॥ इ॥ ति॥ य॥ मि॥ इ॥ स्वाहा॥ म॥ वा॥ क॥ न॥ ॐ ॥ अ॥ ॐ व॥ ज॥ म॥ त्व॥ म॥ म॥
 य॥ स्वा॥ दि॥ ॥ ॥ म॥ व॥ न॥ वि॥ स॥ इ॥ ल॥ म॥ ग॥ व॥ न॥ क॥ य॥ द॥ क॥ ना॥ य॥ ज्ञा॥ ॥ अ॥
 मि॥ र्वा॥ द॥ ॥ ॥ थ॥ न॥ स॥ य॥ वा॥ इ॥ ति॥ या॥ य॥ ॐ ॥ य॥ वा॥ इ॥ ति॥ अ॥ च॥ म॥ न॥ य॥ मि॥ इ॥
 स्वाहा॥ ॥ ॐ ॥ अ॥ ह॥ य॥ रु॥ क॥ य॥ य॥ वि॥ म॥ वा॥ इ॥ ति॥ इ॥ इ॥ ॥ म॥ वा॥ पा॥ न॥ ज्ञा॥
 म॥ ॐ ॥ अ॥ व॥ ग॥ मा॥ वा॥ क॥ रु॥ य॥ व॥ मा॥ व॥ वा॥ क॥ म॥ व॥ स॥ ला॥ म॥ सि॥ ना॥ र॥ व॥ रु॥ म॥
 न॥ वि॥ वा॥ ग॥ न॥ न॥ द॥ व॥ य॥ क॥ ध॥ र्म॥ न॥ म॥ म॥ ॐ ॥ अ॥ क॥ स॥ लि॥ ॐ ॥ अ॥ व॥ ग॥ मा॥

वा कुरु रथे व गाव नाम सर्वसत्त्वा सखिना गवन्तु ॥ कुरु विना गंतवद
 वयु संघं नमस्तु ॥ हा कुरु रथे व गाव नाम
 सर्वसत्त्वा सखिना गवन्तु गवन्तु नमस्तु नमस्तु वयु संघं नमस्तु ॥
 हा कुरु रथे व गाव नाम सर्वसत्त्वा सखिना गवन्तु गवन्तु नमस्तु नमस्तु
 यद्वा कुरु रथे व गाव नाम सर्वसत्त्वा सखिना गवन्तु गवन्तु नमस्तु नमस्तु
 हा ॥ ॥ पलायंस्तु ॥ कुरु रथे व गाव नाम सर्वसत्त्वा सखिना गवन्तु गवन्तु नमस्तु नमस्तु ॥ ॥

मनुजवित्तनयाय सयं दया ॥ विमलिङ्गलं नित्य ॥
 ॥ निहामकर्म विधिमाफ ॥ ॥ लिखितं चालवाहनया
 वजाचार्यणी विश्वरत्ननंथयुक्तलिखापिमाशुल ॥
 धयुक्तगुणानंशारुयामदु ॥ गयामसामहायामकशयु ॥
 ॥ गुरु ॥ ॥ गुरु ॥ ॥ गुरु ॥ ॥ गुरु ॥ ॥ गुरु ॥ ॥ गुरु ॥ ॥

साथ अकसाथ १

साथ दुग्गमनाव १६

साथ या या कक २१

साथ वा रे रे अनवी २६

साथ पोसपवति ३०

साथ वृ डी ववाति ३५

साथ साथन डावाति ४०

साथ साथन डावाति ४५

साथ साथन डावाति ५०

साथ द सां रु दि १०

साथ न कं जी ५

साथ न कं जी १५

साथ न कं जी २५

साथ न कं जी ३०

साथ न कं जी ४०

साथ न कं जी ५०

साथ न कं जी ६०

साथ न कं जी ७०

साथ न कं जी ८०

साथ न कं जी ९०

साथ न कं जी १००

साथ न कं जी ११०

साथ न कं जी १२०

साथ न कं जी १३०

पावयकपाव

७

पावद्वयद्वय

१०

पावद्विपापद

१७

पावद्वालविप

२०

पावपावपववि

२५

पावद्विपापि

३०

पावपापववि

३५

पावपापववि

४०

पावपावपावपाव

पावपावपावपाव

कृ

कृपावपावपाव

कृपावपावपाव

कृपावपावपाव

कृपावपावपाव

कृपावपावपाव

कृपावपावपाव

कृपावपावपाव

कृपावपावपाव

कृपावपावपाव

कृपावपावपाव

तिमिन्नकनिमिन्न ३
तिमिद्रुमश्रुता ५
तिनिगियानता ८
तिनिकलवाड १२
तिनिपीयपड १५
तिमिद्रुताश्रथा १६
तिमिसाथन्नकविरे १
तिमिश्रथवावि २५
तिमिनतामसफाविरे

तिनिद्रुतामिस ३०

कालन्नकजीन ५
कालद्रुमश्रुता ६
कालतीजावाड १२
कालकालसोड १५
कालपायविस २०
कालद्रुताश्रवि २५
कालसाथंश्रथवा २६
कालश्रुतावदुति ३२
कालनताश्रुति ३५

कालद्रुतावादि ४०

४०

कथकयक ^{श्रीगणेशाय नमः} १
कदम्बादय ^{मनम} ४
कतिनिनि ^{श्रीगणेशाय नमः} ३
ककालका ४
कपावणाव ५
ककुडाकुडा ५
कसाथसाथ १
कआथआथ ६
कसानडा २
कदसादस १०

कयप्रकदयनसि २
कयद्रुमवाल ४
कयतीनि कुडा ५
कयकालआथ ६
कयपीचदस १०
कयकुडावाड १२
कयसाथवाड १४
कयआथसाद १३
कयनडाअथ १६
कयदसाविस २०

Handwritten text in a cuneiform script, likely Sumerian or Akkadian, on a rectangular tablet. The text is arranged in approximately 12 horizontal lines. Several characters are highlighted in red ink, possibly indicating specific words or grammatical markers. The tablet shows signs of age and wear.

Handwritten text in a cuneiform script, likely Sumerian or Akkadian, on a rectangular tablet. The text is arranged in approximately 10 horizontal lines. Several characters are highlighted in red ink, possibly indicating specific words or grammatical markers. The tablet shows signs of age and wear.